

प्रेषक,

आर० के० सुधांशु,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
चिकित्सा शिक्षा, निदेशालय  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 31 मार्च, 2015।

विषय:- राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी के अर्न्तगत डा० सुशीला तिवारी अस्पताल में 60 शैय्याओं युक्त जच्चा-बच्चा वार्ड के निर्माण (प्रथम तल पर) प्रथम चरण के प्रतिक्रियात्मक कार्य के कार्यों हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या- 26प/चि०शि०/82/2012/5157 दिनांक 12.09.2014 एवं पत्र संख्या- 26प/चि०कि०/82/2012/838 दिनांक 18.02.2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी के अर्न्तगत डा० सुशीला तिवारी अस्पताल में 60 शैय्याओं युक्त जच्चा-बच्चा वार्ड के निर्माण (प्रथम तल पर) हेतु प्रथम चरण के प्रतिक्रियात्मक कार्यों हेतु टी०ए०सी० वित्त द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि ₹ 3.31 लाख (रु० तीन लाख इक्कीस हजार मात्र) लाख की चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में संगत मद में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त के सापेक्ष इतनी ही धनराशि व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
2. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाए जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
3. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
4. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाए।
5. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य कराया जाए।
6. विस्तृत आगणन से प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
7. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाए। कार्य की प्रगति की निरंतर व गहन समीक्षा करते हुये कार्य को निर्धारित समयसारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए भवन विभाग को हस्तगत कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। विलम्ब या अन्य किसी भी दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा। उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। तदसंबंधी द्वितीय चरण के निर्माणात्मक कार्यों हेतु विस्तृत आगणन के गठन एवं अन्य संबंधी कार्यों के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 19.10.2010 के आलोक में समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या- 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

9. यदि विभिन्न मदों हेतु स्वीकृत धनराशि अवशेष रहती है तो उक्त धनराशि द्वितीय चरण के आगणन में समायोजित की जाय।
  10. प्रथम चरण के कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में कराई गयी डिजाइन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजाइन/मानक, पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुये तदनुसार कार्यवाही की जाये।
  11. द्वितीय चरण के विस्तृत आगणन को प्रेषित करते समय यह प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाये कि "प्रथम चरण के प्रस्तावित कार्य पूर्ण हो चुके हैं।
  12. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित करें।
  13. प्रस्तावित निर्माण कार्य तभी प्रारम्भ किया जाय जब वन भूमि हस्तान्तरण की कार्यवाही/औपचारिकतायें पूर्ण कर ली जायें।
  14. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-03-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-09-राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों की स्थापना के मानक मद-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
  15. यह आदेश वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन के अशा0 सं0-495(P)/XXVII(3)/2015, दिनांक 30 मार्च, 2015 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
  16. उपरोक्त वित्तीय स्वीकृति संबंधी ऑन लाइन बजट कम्प्यूटर अलोटमेंट आई0डी0 संख्या-S1503121012 दिनांक-31 मार्च, 2015 के अन्तर्गत की जा रही है।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(आर0 के0 सुधांशु)  
सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमायू मण्डल।
3. जिलाधिकारी, नैनीताल।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
5. संबंधित कोषाधिकारी।
6. प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी।
7. महाप्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. परियोजना प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0, हल्द्वानी इकाई, मेडिकल कॉलेज परिसर, रामपुर रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
9. बजट प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जी0एन0 पन्त)  
अनु सचिव।